10 लाख से अधिक प्रतियाँ बिक चुकी हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स बेस्टसेलिंग लेखक

जॉन सी. मैक्सवेल

लीडर के 21 अनिवार्य गुण

ऐसे व्यक्ति बनें, जिसका लोग ख़ुशी-ख़ुशी अनुसरण करना चाहें

Hindi translation of *THE 21 INDISPENSABLE QUALITIES OF A LEADER* by John C. Maxwell

लीडर के
21
अनिवार्य गुण

लीडर के
21
अनिवार्य गुण

जॉन सी. मैक्सवेल

अनुवादक: डॉ. सुधीर दीक्षित

MANJUL
मंजुल पब्लिशिंग हाउस

First published in India by

Manjul Publishing House Pvt. Ltd.
Corporate Office:
2nd Floor, Usha Preet Complex,
42 Malviya Nagar, Bhopal 462 003 - India
E-mail: manjul@manjulindia.com Website: www.manjulindia.com
Sales & Markeing Office:
7/32, Ground Floor, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi 110 002
Email: sales@manjulindia.com

Hindi language translation of
THE 21 INDISPENSABLE QUALITIES OF A LEADER
by John C. Maxwell

This edition first published in 2012
Second impression 2013

Copyright© 1999 by John C. Maxwell

This Licensed Work published under license
from Thomas Nelson, Inc., Nashville, Tennessee, USA

ISBN 978-81-8322-263-1

Translation by Dr. Sudhir Dixit

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in or introduced into a retrieval system, or transmitted, in any form, or by any means (electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise) without the prior written permission of the publisher. Any person who does any unauthorized act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

विषय-सूची

आभार

प्रस्तावना

1 चरित्र: चट्टान की तरह दृढ़ बनें

2 जादू: पहली छाप से कामयाबी मिल सकती है

3 समर्पण: यही कर्मठ लोगों को स्वप्नदर्शियों से अलग करता है

4 संवाद: इसके बिना आप अकेले ही यात्रा करते हैं

5 योग्यता: यदि आप योग्य हैं, तो लोग आएँगे

6 साहस: अकेला साहसी व्यक्ति भी बहुमत में होता है

7 विवेक: अनसुलझे रहस्यों को सुलझाएँ

8 एकाग्रता: यह जितनी पैनी होती है, आप भी उतने ही पैने होते हैं

9 उदारता: जब आपका दीपक किसी दूसरे दीपक को रोशन करता है, तो आपके दीपक को कोई नुक़सान नहीं होता

10 पहल शक्ति: इसके बिना आप घर से बाहर क़दम नहीं रख सकते

11 सुनना: लोगों के दिल से जुड़ने के लिए अपने कानों का उपयोग करें

12 जोश: जीवन से प्रेम करें

13 सकारात्मक नज़रिया: अगर आपको यक़ीन है कि आप कर सकते हैं, तो आप सचमुच कर सकते हैं

14 समस्या सुलझाना: अपनी समस्या को संकट में न बदलने दें

15 संबंध: यदि आप चलते हैं, तो वे आपके साथ-साथ चलते हैं

16 ज़िम्मेदारी: यदि आप ज़िम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकते, तो आप टीम का नेतृत्व नहीं कर सकते

17 सुरक्षा: दक्षता कभी भी असुरक्षा के भाव की भरपाई नहीं कर सकती

18 आत्म-अनुशासन: आप जिस पहले व्यक्ति का नेतृत्व करते हैं, वह आप स्वयं हैं

19 सेवा भाव: आगे पहुँचने के लिए दूसरों को पहले स्थान पर रखें

20 सीखने की योग्यता: नेतृत्व करने के लिए सीखते रहें

21 भविष्य-दृष्टि: आप केवल उसे ही पकड़ सकते हैं, जिसे आप देख सकते हैं

निष्कर्ष

लेखक के बारे में

आभार

मैं थॉमस नेल्सन के सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूँ, जो हमेशा बड़ी मेहनत से मेरी पुस्तकों पर बेहतरीन काम करते हैं।

मैं इनजॉय ग्रुप के स्टाफ़- अपनी प्रशासकीय सहयोगी लिंडा एगर्स शोध सहयोगी ब्रेन्ट कोल और प्रूफ़रीडर स्टीफ़ेनी वेट्ज़ेल- को धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इस पुस्तक के मूल स्वरूप का कायाकल्प करके इसे इतना बेहतर बनाया।

और मैं अपने लेखक चार्ली वेट्ज़ेल को भी ज़रूर धन्यवाद दूँगा, जो अपने कार्य द्वारा मेरे समय और प्रभाव को कई गुना बढ़ा देते हैं।

प्रस्तावना

लोग किसी लीडर का अनुसरण क्यों करना चाहते हैं? लोग एक लीडर की बात अनिच्छा से क्यों मानते हैं, जबकि दूसरे के पीछे पूरे जोश के साथ धरती के दूसरे छोर तक जाने के लिए तैयार क्यों रहते हैं? नेतृत्व के सैद्धांतिक जानकारों और असली दुनिया में सफलतापूर्वक नेतृत्व करने वाले लीडर्स में क्या अंतर होता है? जवाब लीडर के चारित्रिक गुणों में छिपा है।

क्या आप जानते हैं कि आपमें बेहतरीन लीडर बनने के लिए आवश्यक वे गुण हैं या नहीं, जिनकी बदौलत लोग खिंचे चले आते हैं और बड़े-बड़े काम संभव हो जाते हैं? मेरा मतलब है, यदि आप अपने भीतर गहराई में झाँककर देखें, तो क्या आपको वे गुण मिलेंगे, जिनकी मदद से आप अपने सबसे बड़े सपने साकार कर सकते हैं? यह एक ऐसा सवाल है, जिसे ईमानदारी से पूछने- और जवाब देने- का साहस हममें से प्रत्येक में होना चाहिए, क्योंकि तभी हम अपनी सच्ची संभावना को साकार कर सकते हैं।

मैंने यह पुस्तक इसलिए लिखी है, ताकि आप उन व्यक्तिगत गुणों को पहचान सकें, विकसित कर सकें और बढ़ा सकें, जिनकी ज़रूरत आपको सचमुच प्रभावी लीडर बनने के लिए होती है- ऐसा लीडर, जिसका लोग ख़ुशी-ख़ुशी अनुसरण करना चाहें। यदि आप द 21 इररिफ़्यूटेबल लॉज़ ऑफ़ लीडरशिप पढ़ चुके हैं, तो आप जान चुके होंगे कि लीडर बनने में समय लगता है। प्रक्रिया का नियम कहता है कि नेतृत्व क्षमता का विकास एक दिन में नहीं, बल्कि हर दिन होता है। नेतृत्व के नियम सीखना लीडर के विकास का एक हिस्सा है, क्योंकि इसी तरह आपको यह पता चलता है कि लीडर कैसे काम करता है। लेकिन यह बात हमेशा याद रखें कि नेतृत्व के नियमों को समझना और उनका पालन करने में फ़र्क़ होता है; ये दो भिन्न-भिन्न गतिविधियाँ हैं।

कुछ समय पहले मैं अपने मित्र बिल फ़्रीमैन से बात कर रहा था। वे वाटकिन्स एसोसिएटेड इंडस्ट्रीज़, इंक. के प्रेसिडेंट हैं, जो अमेरिका में निजी स्वामित्व वाली सबसे बड़ी निजी ट्रक कंपनी है। बिल एक ज़बर्दस्त एक्ज़ीक्यूटिव हैं और सभी अच्छे लीडर्स की तरह ही वे भी लगातार सीखने और बेहतर बनने के तरीक़े खोजते रहते हैं।

द 21 इररिफ़्यूटेबल लॉज़ ऑफ़ लीडरशिप के बारे में उन्होंने मुझसे कहा, “मैंने आपकी पुस्तक आधी पढ़ ली है। इसका मुझ पर काफ़ी असर हो रहा है।” फिर उन्होंने एक ऐसी बात कही, जिसका मुझ पर काफ़ी प्रभाव पड़ा। उन्होंने कहा, “मैं आपको बताता हूँ कि मैं इसे किस तरह पढ़ रहा हूँ। हर सुबह मैं पुस्तक का एक अध्याय पढ़ता हूँ और दिन भर उसी नियम के बारे में मनन करता रहता हूँ। काम करते वक़्त मैं अपनी ओर देखकर पूछता हूँ, लीडरशिप के इस नियम के संदर्भ में मेरा प्रदर्शन कैसा है? अपने ऑफ़िस के लोगों को देखकर मैं मन ही मन सोचता हूँ कि क्या वे इसका अभ्यास कर रहे हैं। उस नियम के आधार पर मैं अपनी पूरी कंपनी का आकलन करता हूँ, अवलोकन करता हूँ, मूल्यांकन करता हूँ और चिंतन-मनन करता हूँ। हर सुबह अगला नियम आ जाता है। यह आँखें खोलने वाला अनुभव है।”

बिल की बात सुनकर मैं उत्साहित हो गया। सच कहूँ तो उनकी टिप्पणियों की बदौलत ही मुझे यह पुस्तक लिखने की प्रेरणा मिली। वे अपनी नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए अंदर से बाहर की नीति अपना रहे हैं, जैसी कि हर व्यक्ति को अपनानी चाहिए। लीडर्स अपने आंतरिक स्वरूप के कारण प्रभावी होते हैं - वे गुण, जो उन्हें उस क़ाबिल बनाते हैं। नेतृत्व के सर्वोच्च स्तर पर पहुँचने के लिए हर व्यक्ति को इन गुणों का विकास अंदर से बाहर की ओर करना चाहिए।

बिल से बातचीत करने के बाद मैंने अपनी जान-पहचान के उन सर्वश्रेष्ठ लीडर्स के गुणों के बारे में विचार किया, जिनका लोग सचमुच अनुसरण करना चाहते हैं। मैंने ऐसे गुणों की तलाश शुरू की, जो उन सभी में हों। मैंने अन्य

लीडर्स से बात की और उनके विचार सुने। इसके अलावा, मैंने इतिहास पर अपनी छाप छोड़ने वाले लीडर्स का भी गहन अध्ययन किया। अंतत: मैं 21 गुणों की सूची बनाने में कामयाब हो गया, जो सभी महान लीडर्स में मिलते हैं। इस पुस्तक में इन्हीं गुणों का वर्णन और विश्लेषण किया गया है। मैं चाहता हूँ कि इस पुस्तक को द 21 इररिफ़्यूटेबल लॉज़ ऑफ़ लीडरशिप की पूरक के रूप में पढ़ा जाना चाहिए।

इस पुस्तक को शुरू करते वक़्त आपको लग सकता है कि आप बड़ी आसानी से एक ही बैठक में कई अध्याय पढ़ सकते हैं। हो सकता है कि आप एक ही बैठक में पूरी पुस्तक ख़त्म करने की क्षमता भी रखते हों। लेकिन ऐसा हर्गिज़ न करें। पाठकों के लिए यह पुस्तक बहुत सोच-समझकर तैयार की गई है, जिसकी एक योजना और एक रणनीति है। इसे उसी तरह पढ़ें, जिस तरह बिल फ़्रिमैन पढ़ते हैं- सुनियोजित और रणनीतिक रूप से।

मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप कुछ समय तक इस पुस्तक के साथ जुड़े रहें। एक अध्याय पढ़ें और फिर उसे कुछ समय दें। उस पर मनन करें, उसकी समीक्षा करें, उसका विश्लेषण करें। आप जिस गुण का अध्ययन कर रहे हैं, अगर वह आपके जीवन का कमज़ोर क्षेत्र हो, तो अगले अध्याय की ओर बढ़ने से पहले उसे बेहतर बनाने में थोड़ा समय लगाएँ। यह प्रक्रिया आप एक ही साल में कई बार भी दोहरा सकते हैं, ताकि आपके चरित्र का हर गुण बिलकुल पक्का हो जाए।

हर चीज़ लीडरशिप पर निर्भर करती है। हर चीज़ लीडरशिप के साथ उठती और गिरती है। और लीडरशिप वास्तव में अंदर से बाहर की ओर विकसित होती है। यदि आप अंदर से वैसे लीडर बन सकें, जैसा आपको होना चाहिए, तो आप बाहर से अपने आप वैसे लीडर बन जाएँगे, जैसे आप बनना चाहते हैं। तब लोग ख़ुशी-ख़ुशी आपका अनुसरण करना चाहेंगे। और अगर ऐसा हो जाता है, तो आप इस संसार की किसी भी चीज़ को सुलझा सकते हैं।

1
चरित्र:
चट्टान की तरह दृढ़ बनें

नेतृत्व लोगों को किसी साझे लक्ष्य की दिशा में एकजुट करने की क्षमता और इच्छा है... साथ ही, यह दृढ़ चरित्र भी है, जो लोगों में विश्वास जगाता है।

— बरनार्ड मॉन्टगोमेरी,
अँग्रेज़ फ़ील्ड मार्शल

“क्षणिक शांति या राहत पाने की ख़ातिर” अपने ख़ुद के अनुभव या विश्वासों को कभी मत नकारो।

— डग हैमरस्कोल्ड,
कूटनीतिज्ञ और नोबल शांति पुरस्कार विजेता

सब कुछ दाँव पर लगाना

अगर आपने छोटे हवाई अड्डों से यात्रा की है या आपको कंपनी के हवाई जहाज़ों में सफ़र करने का काफ़ी अनुभव है, तो संभवत: आपने लियर जेट देखा होगा या फिर उसमें उड़ान भरी होगी। मुझे एक-दो बार इसमें यात्रा करने का अवसर मिला है और यह बहुत ही अविस्मरणीय अनुभव होता है। लियर जेट्स बहुत छोटे- जिनमें केवल पाँच-छह यात्री ही बैठ सकते हैं- और बहुत तेज़ होते हैं। ऐसा लगता है, मानो आप जेट इंजन लगी किसी सँकरी नली में चढ़ रहे हों।

मुझे स्वीकार करना होगा कि लियर जेट में उड़ान भरने का समूचा अनुभव बहुत आनंददायक होता है। बहरहाल, सबसे बढ़िया बात यह है कि इसमें समय बहुत बचता है। मैंने लाखों मील की हवाई यात्रा की है और मुझे हवाई अड्डे की लंबी दूरी तय करने, किराए की कार लौटाने, शटल्स, ख़ूब भीड़-भाड़ और अंतहीन विलंब जैसी चीज़ें झेलने की आदत है। सच कहूँ, तो समय के संदर्भ में हवाई यात्रा कई बार दु:स्वप्न जैसी लग सकती है। लेकिन जब आप लियर जेट में यात्रा करते हैं, तो समय आधे से भी कम हो जाता है।

इस अद्भुत हवाई जहाज़ के आविष्कारक का नाम था बिल लियर। आविष्कारक, विमान-चालक और व्यवसायी लियर के पास 150 से अधिक पेटेंट थे, जिनमें ऑटोमैटिक पायलट, कार रेडियो और आठ ट्रैक वाले टेप्स शामिल थे (आप इन सबसे नहीं जीत सकते)। लियर में पथप्रदर्शक की सोच थी और 1950 के दशक में भी वे छोटे कॉरपोरेट जेट्स के निर्माण की संभावना को भाँप सकते थे। अपने सपने को साकार करने में उन्हें कई साल लग गए। अंतत: 1963 में पहले लियर जेट ने उड़ान भरी, जिसमें कहीं कोई समस्या नहीं आई। 1964 में उन्होंने पहला जेट बनाकर ग्राहक को दे दिया।

सफलता ने तुरंत लियर के क़दम चूमे और उनके कई जेट्स तत्काल बिक गए। लेकिन कुछ ही समय बाद लियर के बनाए दो जेट्स रहस्यमयी परिस्थितियों में दुर्घटनाग्रस्त हो गए। उनके हाथ के तोते उड़ गए। उस वक़्त तक 55 लियर जेट बिक चुके थे और लियर ने तत्काल सभी मालिकों को यह ख़बर भेज दी कि वे अपने जेट में तब तक उड़ान न भरें, जब तक कि वे अपनी टीम के साथ मिलकर यह पता नहीं लगा लेते कि दुर्घटनाएँ क्यों हुई थीं। उन्हें इस बात की चिंता नहीं थी कि यह क़दम उठाने से मीडिया में कितना विपरीत प्रचार हो सकता है। उनके लिए तो ज़्यादा महत्वपूर्ण यह था कि ऐसा न करने पर कहीं और हादसे न हो जाएँ।

उन अभागी उड़ानों पर शोध करने के बाद लियर ने एक संभावित तकनीकी कारण खोज लिया, लेकिन उसकी सच्चाई की पुष्टि ज़मीन पर नहीं हो सकती थी। असल समस्या पकड़ में आई है या नहीं, यह जानने का एक ही पुख़्ता तरीक़ा था। उन्हें उस समस्या को स्वयं उत्पन्न करना था- हवा में उड़ान भरते समय।

यह एक ख़तरनाक प्रक्रिया थी, लेकिन उन्होंने यही किया। जब उन्होंने अपने जेट में उड़ान भरी और वह समस्या जान-बूझकर उत्पन्न की, तो जेट अनियंत्रित हो गया। उनका भी वही हश्र होते-होते बचा, जो बाक़ी दो पायलट्स का हुआ था। लेकिन चूँकि वे समाधान जानते थे, इसलिए उन्होंने जेट पर दोबारा नियंत्रण पा लिया और इस तरह ख़राबी की पुष्टि कर ली। ज़मीन पर सकुशल उतरने के बाद लियर ने समस्या को सही करने के लिए एक नया कलपुर्ज़ा बनाया और उसे तब तक बिके सभी पचपन हवाई जहाज़ों में लगाकर ख़तरे की आशंका ही ख़त्म कर दी।

हवाई जहाज़ों को ज़मीन पर खड़ा रखने के आग्रह से लियर को काफ़ी आर्थिक नुक़सान हुआ। और इसकी वजह से संभावित ग्राहकों के मन में शंका भी उत्पन्न हुई। फलस्वरूप उन्हें अपना व्यवसाय दोबारा जमाने में दो साल का समय लग गया। लेकिन लियर को अपने निर्णय पर कभी अफ़सोस नहीं हुआ। दुर्घटनाओं की रहस्यमय गुत्थी को सुलझाने के लिए वे अपनी सफलता, अपनी दौलत और यहाँ तक कि अपनी ज़िंदगी को भी दाँव पर लगाने को तैयार थे। वे अपनी ईमानदारी या अखंडता को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे, चाहे उन्हें इसकी कोई भी क़ीमत क्यों न चुकानी पड़े। और इसके लिए चरित्र की आवश्यकता होती है